Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to take steps to revive Ramgarh dam in Rajasthan.

सुश्री दिया कुमारी (राजसमन्द): अध्यक्ष महोदय, आज मैं एक बेहद गंभीर और महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलना चाहूँगा। जयपुर की लाइफ लाइन कही जाने वाली और जयपुर सहित आसपास के क्षेत्र में पीने के पानी के एकमात्र स्रोत के रूप में पहचान रखने वाला रामगढ़ बाँध आज पूरी तरह से सूख चुकी है। यह बहुत ही दुख की बात है। एक समय में यहाँ पर 64 फीट पानी था। वर्ष 1982 में जब हमारे यहाँ एशियन गेम्स हुए थे तो रोइंग के इवेन्ट्स भी यही हुए थे। आज यह हालत है कि प्रशासन की अनदेखी के कारण, यहाँ जो कैचमेन्ट एरिया है, उसमें पूर्ण रूप से एन्क्रोचमेन्ट्स हो चुके हैं। कुछ लोगों ने कंस्ट्रक्शन कर लिया है और वहाँ फार्म हाउसेस बना लिए हैं। उसकी हालत यह है कि यहाँ पर आज एक बूँद भी पानी नहीं है। इस बाँध के सूख जाने के कारण लाखों की आबादी वाला जयपुर शहर आज पानी के लिए तरस रहा है।

महोदय, इसे दोबारा जीवित करने के लिए कई एनजीओज़, जनप्रतिनिधि और मीडिया लगातार प्रयास कर रहे हैं। राजस्थान हाईकोर्ट ने भी सेल्फ कॉग्निजेन्स लेते हुए कई बार प्रशासन से इस पर कार्रवाई करने करने को कहा और नोडल ऑफिसर भी अपॉइंट किया गया। इसके बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

महोदय, आज मैं आपके माध्यम से माननीय जल शक्ति मंत्री जी तक यह बात पहुँचाना चाहूँगी कि जयपुर की इस लाइफ लाइन और हेरिटेज को बचाया जाए। यह जो बाँध है, इसकी नींव वर्ष 1897 में रखी गई थी। यह बाँध 100 साल से भी ज्यादा पुराना है। यह बाँध हमारे राजस्थान का हेरिटेज भी है।

अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन करना चाहूँगी कि इस पर उचित कार्रवाई की जाए, ताकि इस बाँध को बचाया जा सके। राज्य में जो सरकार है, वह भी इसके बारे में कार्रवाई नहीं कर रही है। मुझे आगे भी इनसे कोई उम्मीद नहीं है कि वह कोई कार्रवाई करेगी। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष:

डॉ. सुजय विखे पाटील,

श्री सुभाष चन्द्र बहेड़िया,

श्री रामचरण बोहरा और

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को सुश्री दिया कुमारी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

माननीय सदस्यगण, मैं सभी माननीय सदस्यों की सक्रियता को देख रहा हूँ। आज भी लोक महत्व के विषय को उठाने के लिए एक लंबी सूची मेरे पास है । आप सब अपने-अपने क्षेत्र की जनता की भावनाओं, समस्याओं और उनकी कठिनाइयों को सदन के माध्यम से राज्यों और केन्द्र की सरकारों को अवगत कराते रहते हैं । मेरा आप सभी से आग्रह है, क्योंकि समय कम है, अगर आप अपनी बात एक मिनट में कह देंगे तो मैं सूची पूर्ण कर लूँगा । क्या सदन इसके लिए तैयार है?

अनेक माननीय सदस्य: हाँ ।